

फिलिप्पियन क पत्र

1 ईसू मसीह क सेवक पौलुस अउर तीमुथियुस कइँती स मसीह ईसू में स्थित फिलिप्पी क रहइवाले बुजुर्गन संत जनन क नाउँ जउन उहाँ निरीच्छकन अउर कलीसिया क सेवकन क साथे निवास करत थीं:

2हमार परमपिता परमेस्सर अउर हमार पभू ईसू मसीह कइँती स तू पचन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क पराथना

3मई जब-जब तू पचन क याद करत हउँ, तब-तब परमेस्सर क धन्यवाद देत हउँ। 4अपने हर पराथना में मई हमेसा खुशी क साथे तोहरे बरे पराथना करत हउँ। 5काहेकि पहिले ही दिना स आज तलक तू सुसमाचार क प्रचार में मोर सहयोगी रहया ह। 6मोका इ बात क पूरा भरोसा बाटइ कि उ परमेस्सर जे तोहरे बीच में अइसेन अच्छा काम सुरु किये अहइ, उहइ ओका उहइ दिना तक बनाए रखी, जब ईसू मसीह फिन आइके ओका पूरा करी। 7तू सब क बारे में मोरे बरे अइसेन सोचब ठीकही बा। काहेकि तू सब मोरे मने में बसा भवा अहा। अउर न केवल तब जब तक मई जेल में हउँ, बल्कि तब भी जब मई सुसमाचार क सत्य क रच्छा करत भए, ओकरे प्रतिस्था में लगा रहेउँ, तू सभे एँह अनुग्रह में मोर सहभागी रहया ह। 8परमेस्सर मोर साछी अहइ कि मई मसीह ईसू द्वारा परगट पिरेम स मई तू सभन क बरे केतना बियाकुल रहत हउँ। 9मई इहइ पराथना करत रहत हउँ:

पिरेम हमेसा बढ़इ तोहार साथे गियान क, गहन दिस्टि क।

10पाइके इ गुन, भला-बुरा में भेद कइके, अपनाइ लेब्या हमेसा भले क। अउर एह तरह बन जाब्या तू सुद्ध अकलुस ओह दिना क जब मसीह आइ। 11धारमिकता क फल स ईसू मसीह स मिलत ही परिपूर्ण होत जा जेहसे परमेस्सर क महिमा अउर स्तुति होत रहया।

पौलुस क विपत्तियन पभू क काम में सहायक

12भाइयो, मई तू सबन का जनाइ देइ चाहित हउँ कि मोरे साथे जउन कछू भवा बा, ओसे सुसमाचार क बढ़ावा ही मिला बाटइ। 13परिणामसरूप स संसार क पूरी रच्छा दल अउर अन्य दुसरे सबहि लोगन क इ पता चलि गवा बा कि मोका मसीह क बिसवासी होई क कारण ही बन्दी बनावा गवा बाटइ। 14एकरे अलावा पभू में स्थित ज्यादातर भाई मोर बन्दी होइके कारण उत्साह स भरा भवा अहई। अउर बहुत जियादा साहस क साथ सुसमाचार क निडरता पूर्वक सुनावत अहई।

15इ सच अहइ कि ओहमें स कछू इरसा अउर बैर क कारण मसीह क उपदेस देत ही परन्तु दुसरे जने सदभावना स प्रेरितन होइके मसीह क उपदेस देत ही। 16ये सब जने पिरेम क कारण अइसेन करत ही काहेकि इ जानत ही कि परमेस्सर सुसमाचारे क बचाउ करइ बरे ही मोका इहाँ रखे अहइ। 17परन्तु कछू अउर जने त सचाई क साथे नाहीं, बल्कि सुवारथ स भरी इच्छा स मसीह क प्रचार करत ही काहेकि उ सोचित ही कि एहसे उ पचे बन्दी-घरे में मोरे बरे कस्ट पइदा कइ सकिहीं।

18परन्तु एहसे कउनउ फरक नाहीं पइत। जरूरी तउ इ बा कि एक ढंग स, या दूसरे ढंग स, चाहे बुरा उद्देश्य होइ, चाहे भला प्रचार तउ मसीह क ही होत ह अउर एहसे मोका आनन्द मिलत ह अउर आनन्द मिलतइ रही। 19काहेकि मई जानत हउँ कि तू पचन पराथना क द्वारा अउर ओह सहायता स जउन ईसू मसीह क आतिमा स मिलत ह, परिणाम में मोका छु टकारा ही मिली। 20मोर तेज इच्छा अउर आसा इहइ बा अउर मोका इ बिसवास बा कि मई कउ नो बाते स निरास नाहीं होब बल्कि सब तरह स निउर होइके जइसे मोरे सरीर स मसीह क महिमा हमेसा होत रही, वइसेन आगेउ होत रही, चाहे मई जिअउँ अउर चाहे मरि जाउँ। 21काहेकि मोरे जीवन क मतलब अहइ मसीह अउर मउत क मतलब अहइ एक प्राप्ति। 22मुला अगर मई अपने एह सरीर स जिन्दइ रहउँ तउ एकर मतलब इ होइ कि मई अपने कर्मे क परिणामे क आनन्द लेउँ। तउन मई नाहीं जानित हउँ कि मई का चुनउँ। 23दुन्नउ विकल्पे क बीच चुनाव में मोका कठिनाई होत बा। मई अपने जीवन स विदा होइके मसीह क पास जाइ चाहित ह काहेकि उ अधिक अच्छा होइ। 24दूसरी तरफ परन्तु एह सरीर क साथे ही मोर इहाँ रहब तोहरे बरे अधिक जरूरी बा। 25अउर काहेकि इ मई निश्चय क साथे जानित हउँ कि मई इही रहबइ अउर तू सभन क आध्यात्मिक उन्नति अउर बिसवास स पइदा भवा आनन्द बरे तोहरे साथे रहतइ रहब। 26ताकि तोहरे लगे मोरे लउटी आवई क परिणाम सहित तू पचन क मसीह ईसू में स्थित मोहे प गरब करइ क अउर अधिक आधार मिलि जाई।

27परन्तु हर तरह स अइसा करा कि तू सबन आचरण मसीह क सुसमाचार क अनुकूल रहइ। जेहसे चाहे मई तोहरे लगे आइके तू सबन क देखउँ अउर चाहे तु सबन स दूर रहउँ, तू सबन क बारे में इहइ सुनउँ कि तू पचे एक्कई आतिमा में मजबूती स टिका हवा अउर सुसमाचार स पइदा बिसवासे क बरे एक जुट होइके संघर्ष करत रहा। 28अउर मई इहउ सुनई चाहित हउँ कि तू पचे अपने विरोधियन स

कउनउ तरह स नाहीं डेरात अहा। तू सबन क इ साहस ओनके विनाश क प्रमाण अहइ। तू पचन क मुक्ति का संकेत अहइ जउन स्वयं परमेस्सर कईंती स अइसा ही कीन्ह जाई। 29काहेकि मसीह कईंती स तू पचन क न केवल ओहमे बिसवास करइ क बल्कि ओकरे बरे यातना झेलइ क बिसेष अधिकार दीन्ह गवा बा। 30तू पचे जानत अहा कि तू उही संघर्ष में जुटा अहा जेहमे मई जुटा रहेउँ अउर जइसेन कि तू सुनत अहा आज तलक मई ऊहीं में लगा रहउँ।

एक होइके एक दुसरे क धियान रखा

2 फिन तू लोगन में अगर मसीह में कउनउ उत्साह बा, पिरेम स पैदा भई कउनउ धीरज बा, अगर आतिमा में केउ भागेदारी क; सिहेन क भावना अउर सहानुभूति बा तउ मोका पूरी तरह स खुस करा। मई चाहत हउँ, तू पचे एक तरह स सोचा, परस्पर एक जइसा पिरेम करा आतिमा में एका रखा अउर एक जइसेन लच्छ रखा। 3ईसा अउर मिथ्या अभिमान स कछू न करा। बल्कि नरम बना अउर दुसरेउ क आपने स उत्तिम समझा। 4तोहमे स हर एक्के चाही कि केवल अपनई नाहीं, बल्कि दुसरेउ क हिते क धियान रखइ।

ईसू स निस्वारथ होइ सीखा

5आपन चिंतन ठीक वइसा ही रखा जइसे मसीह ईसू क रहा।

6जउन परमेस्सर क सरूप में होत भए भी उ परमेस्सर क साथे अपने एह बराबरी का अधिकार की वस्तु न समझेस।

7बल्कि उ तउ आपन सब्ब कछू तियागके एक सेवक क रूप ग्रहण कइ लिहेस अउर मनई क समान बनि गवा। अउर जब उ अपने बाहरी रूप में मनई जइसेन बनि गवा। 8तउ अपने आप क नवाइ लिहेस अउर परमेस्सर का ऐतना आज्ञाकारी बन गवा कि आपन प्राण तक न्योछोवर कइ दिहेस अउर उहउ क्रूस पर।

9इही बरे परमेस्सर भी ओका ऊँचा स ऊँचा स्थान पर उठाएस अउर ओका उ नाम दिहेस जउन सब नामन स ऊपर बा 10ताकि सब केऊ जब ईसू क नाउँ क उच्चारण होत सुनइ, तउ नीचे निहुरि जाइ। चाहे उ सरगे क होइ, धरती पइ क होइ अउर चाहे धरती क नीचे क होइ। 11अउर सब जीभ परमपिता परमेस्सर क महिमा बरे मंजूर करइ कि "ईसू मसीह ही पभू अहइ।"

परमेस्सर क इच्छा क अनुसार बना

12एह बरे मोर पिआरे दोस्तो, तू पचे मोरे निर्देशन क जइसेन ओह समइ पालन किहा करत रह्या जब मई तू पचन क साथे रहेउँ, अब जब कि मई तू पचन क साथे नाहीं हउँ तब तू अउर अधिक लगन स ओकर पालन करा। परमेस्सर बरे पूरा आदर एवं भय क साथे अपने उद्धार क पूरा करइ बरे तू सभे काम करत जा। 13काहेकि उ परमेस्सर ही अहइ जउन उ कामना क इच्छा अउर ओन्हे

पूरा करइ क करम, जउन परमेस्सर क भावत ह, तोहमें पइदा करत ह।

14बिना कउनउ सिकायत या लड़ाई-झगड़ा किहे सब काम करत रहा। 15ताकि तू भोले-भोले अउर पवित्र बनि जा। अउर इ कुटिल अउर पथभ्रष्ट पीढ़ी क लोगन क बीच परमेस्सर क निहकलंक बालक बनि जा। ओनके बीच अंधियारी दुनिया में तू पचे ओह समइ तारा बनिके चमका 16जब तू ओनका जीवनदायी उपदेस सुनावत ह। तू अइसा ही करत रहा ताकि मसीह क फिन स लउटइ क दिन मई इ देखिके कि मोरे जीवन क भाग दौड़ बेकार नाहीं भइ। तू पचन गरब कइ सकी।

17तोहार सबन क बिसवास परमेस्सर क सेवा में एक बलि क रूप में बा अउर अगर मोर लहू तोहरे बलि प दाखरस क समान उँडैल दीहा भी जाइ तउ मोका खुसी अहइ। तोहरे सबन क खुसी में हमरउ सहभाग बा। 18उही तरह तूहउ खुस रहा अउर मोरे साथे आनन्द मनाव।

तीमुथियुस अउर इपफ्रुदीतुस

19पभू ईसू क सहायता स मोका तीमुथियुस क तू लोगन क लगे जल्दी भेज देइ क आसा बा ताकि तोहरे समाचारन स मोर भी उत्साह बड़ सकइ। 20काहेकि मोरे पास दुसर कउनउ तीमुथियुस अइसा मनई नाहीं बा जेकर भावना मोरी जइसी होइ अउर जउन तोहरे कल्यान क बरे सच्चे मने स चिंतित होइ। 21काहेकि अउर सभन अपने अपने कामन में लगा बाटेन। ईसू मसीह क कामन में केऊ नाहीं लाग बा। 22तू पचे ओकरे चरित्र क जानत अहा कि सुसमाचार क प्रचार में मोरे साथ उ वइसे ही सेवा क किहे अहइ, जइसे एक बेटवा अपने बापे क साथे करत रहत ह। 23तउ मोका जइसेन इ पता चली कि मोरे साथे का कछू होइ जात बा। मई ओका तू सबन क लगे भेज देइ क आसा रखत अहउँ। 24अउर मोर बिसवास बा कि पभू क सहायता स मई भी जल्दी ही अउबइ। 25मई इ जरूरी समझत हउँ कि इपफ्रुदीतुस क तोहरे लगे पठवउँ, जउन मोर भाई अहइ, अउर साथ ही काम करइवाला बा अउर सहयोगी कर्म-वीर अहइ अउर मोका जरूरत पइइ पइ मोर सहायता बरे तोहार प्रतिनिधि रहा, 26काहेकि उ तोहे सबन क बरे बियाकुल रहा करत रहा अउर एहसे बहुत खिन्न रहा कि तू इ सुने रह्या कि उ बेमार पड़ि गवा रहा। 27हाँ, उ बेमार तउ रहा अउर उहउ ऐतना कि जइसे मरि ही जाई। परन्तु परमेस्सर ओह पर अनुग्रह किहेस (न सिरिफ ओह पइ बल्कि मोहे प भी) ताकि मोका दुखे पर दुख न मिलइ। 28इही बरे मई ओक अउर उ लगन स पठवत हउँ ताकि जब तू ओका देखा तउ एक बार फिन खुस होइ जा अउर तोहरे बारे में चिन्ता करब छोड़ देउँ। 29इही बरे पभू में बड़ी खुसी क साथे ओकर सुवागत करा अउर अइसेन लोगन क जियादा स जियादा आदर करत रहा। 30काहेकि मसीह क काम क बरे उ लगभग मरि गवा रहा ताकि तोहरे द्वारा कीन्ह गइ मोर सेवा में जउन कमी रही गइ रही, ओका उ पूरा कइ देइ, एकरे बरे उ अपने प्राण क बाजी लगाइ दिहेस।

मसीह सब क ऊपर बा

3 एह बरे स, मोरे भाइयो, तथा बहिनियो, पभूँ मँ आनन्द मनावत रहा। तू सबन क सच सच ओनही बातन क लिखत रहइ स मोका फिन कउनउ कस्ट नाहीं अहइ अउर तोहरे बरे तउ इ तैयार होइ क मदद करी। 2एन्हन कुकुरन स सावधान रहा जउन कुकर्मन मँ लगा अहइँ। उ पचे बधिया कइ देइ चाहत हीं। 3काहेकि सच्चा खतनावाला मनई तउ हम अही जउन अपने आराधना क परमेस्सर क आतिमा द्वारा अरपण करत अही। अउर मसीह ईसू पर हम होइ बरे गरब करत अही अउर जउन कछू सारीरीक बा, ओह प हम भरोसा नाहीं करत अही। 4जद्यपि मईँ खुद जउन कछू सारीरीक बा, ओह पइ मईँ भरोसा नाहीं कइ सकत रहउँ। मुला अगर केऊ अउर अइसेन सोचइ कि ओकरे लगे सरीरी पर बिसवास करइ बरे बा तउ मोरे लगे तउ उ अउर जियादा बा। 5जब मईँ आठ दिना क रहेउँ, मोर खतना कइ दीन्ह गवा रहा। मईँ इस्त्राएली हउँ मईँ बिन्यामीन क वंस क हउँ। मईँ इब्रानी माता-पिता स पइदा भवा एक इब्रानी हउँ। जहाँ तक व्यवस्था क विधान तलक मोरे पहुँच क प्रस्न बा, मईँ फरीसी हउँ। 6जहाँ तलक मोरी निस्टा क प्रस्न बा, मईँ कलीसिया क बहुत सताये रहउँ। जहाँ तलक ओह धार्मिकता क सवाल बा जेका व्यवस्था क विधान सिखावत ह, मईँ निर्दोष रहेउँ। 7परन्तु तब जउन मोर लाभ रहा, आज उही क मसीह क बरे मईँ आपन हानि समझत अहउँ। 8इहूँ स बड़ी बात इ बा कि मईँ अपने पभूँ मसीह ईसू क गियान क स्पेष्टता क कारण आज तलक सब कछू क हीन समझत रहेउँ। उही बरे मईँ सब कछू तियागा कइ दिहेउँ अउर मईँ सब कछू क घिना क परन्तु समझइ लाग हउँ ताकि मसीह क पाई सकउँ 9अउर ऊही मँ पावा जाइ सकउँ - मोर उ धरम भाव क कारण नाहीं जउन व्यवस्था क विधान पर टिकी रही, बल्कि ओह धरम भाव क कारण जउन परमेस्सर मँ बिसवासे क कारण मिलत ह। जउन परमेस्सर स मिली बा ओकर आधार बिसवास अहइ। 10मईँ मसीह क जानइ चाहत हउँ अउर ओह सक्ती क अनुभव करइ चाहत हउँ जेसे ओका पुनः जागरण भवा रहा। मईँ ओकरी यातनन क सहभागी होइ चाहत हउँ। अउर उही रूपे क पाइ लेइ चाहत हउँ जेका उ आपन मउत क द्वारा पाए रहा। 11एह आसा क साथे कि मईँ भी इही तरह मरा हुआ मँ स उठि क फिन स जी पावउँ।

लच्छ पर पहुँचइ क प्रयास करत रहा

12अइसेन नाहीं अहइ कि मोका आपन प्राप्ति होइ चुकी बा अउर मईँ पूरा सिद्ध बन चुका हउँ। परन्तु मईँ उपलब्धि क पाइ ललेइ क बरे बराबर प्रयास करत रहत हउँ जेकरे बरे मसीह ईसू मोका आपन बँधुआ बनाए रहा। 13भाइयो, तथा बहिनियो, मईँ इ नाहीं सोचित हउँ कि मईँ ओका पाई चुका हउँ। पर बात इ अहइ कि बीती क बिसराइ द्या, जउन मोरे सामने बा, ओह लच्छ तलक पहुँचइ बरे मईँ संघर्ष करत रहउँ। 14मईँ ओह लच्छ क बरे हमेसा प्रयास करत रहउँ कि मईँ अपने ओह इनामें क जीत लेउँ, जेका

मसीह ईसू मँ पावई क बरे परमेस्सर तउ मोका उप्पर बोलाए अहइ।

15ताकि ओन्हन लोगन क, जउन हमरे मँ पूर्ण मनई बन चुका बाटेन, मन क स्वरूप अइसेन रहइ। परन्तु अगर तू कीहीउ बात क कउनउ अउर ढंग स सोचत ह तउ तोहरे बरे ओकर जाहिर करइके परमेस्सर कइ देई। 16जउन सच्चाई तक हम पहुँच चुका अही, हमका उही पे चलत रहइ चाही।

17भाइयो, तथा बहिनियो, अउरन क साथे मिलि के मोरे नकल करा जउन उदाहरण हम तोहरे सामने रखे अही, ओकरे अनुसार जउन जिअत हीं, ओह पर धियान द्या। 18काहेकि अइसेन ही बहुत जने अहइँ जउन मसीह क क्रूस स दुस्मनी रखत जिअत हीं। मईँ तोहका बहुत बार बताए हउँ अउर अब भी मईँ इ बिलखि-बिलखि क कहत हउँ 19ओनकर नास ओनकइ नियति अहइ। ओनकर पेट ओनकर भगवान अहइ। अउर जेहपर ओनका लजाई चाही, ओह पर ओ गरब करत हीं। ओनका बस संसारी वस्तुवन क चिन्ता बा। 20परन्तु हमार जन्मभूमि तउ सरगे मँ बा। ऊही स हम उद्धारकर्ता पभूँ ईसू मसीह क आवइ क बाट जोहत रहित ह। 21आपन ओह सक्ती क द्वारा जेहसे सब वस्तुवन क उ अपने अधीन कई लेत ह, हमार कमजोर देह क बदल क आपन दिव्य देह जइसेन बनाई देई।

फिलिपियन क पौलस क निर्देश

4 हे मेरे भाइयो, तथा बहिनियो, मईँ तू सबन स पिरेम करत हउँ, अउर तू सबन क देखइ का तरसत हउँ। तू पचे खुसी अहा, मोर गौरव अहा। तू पचन क जइसे मईँ बताए हउँ, पभूँ मँ तू सबइ वइसेन ही दृढ़ बना रहा। 2मईँ युओदिया अउर सन्तुखे दुन्नऊ क उत्साहित करत हउँ कि तू पचे पभूँ मँ एक जइसे बिचार बनाए रखा। 3मोरे सच्चा साथी तोहसे सबन स मोर बिनती बा कि इन्हन स्त्रियन क सहायता करा। इ क्लेमेन्स अउर मोरे दुपरे सहकर्मियन सहित सुसमाचार क प्रचार मँ मोरे साथे जुटी रहिन। एनके नाउँ जीवन क किताब* मँ लिख गवा अहइँ।

4पभूँ मँ हमेसा आनन्द मनावत रहा।

5एँका मईँ फिन दोहरावत हउँ आनन्द मनावत रहा। तू पछन क सहनसील आतिमा क गियान सब जने क होइ। पभूँ लगे ही बाटइ 6कउनउ बाते क चिन्ता न करा, बल्कि सब परिस्थितियन मँ धन्यवाद सहित पराथना अउर बिनय क साथे आपन याचना परमेस्सर क सामने रखत जा। 7इही स परमेस्सर कईंती स मिलइवाली सान्ति, जउन समझ स परे बा तोहरे हिरदइ अउर तोहरे बुद्धि क मसीह ईसू मँ सुरच्छित बनाए रखी।

8भाइयो, तथा बहिनियो, इन बातन क धियान करा। जउन जरुर सत्य बा, जउन आदर योग्य बा, जउन अच्छा बा। जउन पवित्र बा, जउन सुन्दर बा, जउन सराहइ योग्य बा या कउनउ अन्य गुन या कउनउ प्रसंसा 9जेका तू मोसे सीखे अहा, पाए अहा या सुने अहा या जेका करत मोका देखे

जीवन क किताब परमेस्सर क उ किताब जेहमाँ परमेस्सर क चुना भवा सभन संत जनन क नाम लिखा बा।

अहा। इन बातन क अभ्यास करत रहा। सांति क सोत परमेस्सर तोहरे साथे रही।

फिलिप्पि मसीहियन क पौलस क धन्यवाद

10तू सबइ निश्चय ही मोरे भलाई बरे सोचत रहत ह परन्तु तू पचन क ओका देखावइ क अवसर नहीं मिला रहा, परन्तु अब आखिरकार तोहमें मोरे बरे फिन स फिकिर जागी बा। एहसे मई पभू मँ बहुत आनन्दित भवा हउँ। 11कउनउ व्यक्तिगत जरूरत क कारण मई इ नहीं कहत हउँ। काहेकि जइसेन परिस्थिति मँ मई रहउँ, मई उही मँ सन्तोस करइ सीख लिहे हउँ। 12मई अभाव क बीच रहई क रहस्य भी जानत हउँ अउर इहउ जानत हउँ कि सम्पन्नता मँ कइसे रहा जात ह। कइसेउ समइ होइ अउर कइसेउ परिस्थिति, चाहे पेट भरा होइ अउर चाहे भूखा, चाहे पास मँ बहुत कछू होइ अउर चाहे कछू भी न होइ, मई ओन सबे मँ सुखी रहइ सीख लिहे हउँ। 13मसीह क जरिये मई सब कछू कइ सकत हउँ काहेकि उ मोका सक्ती देत ह। 14कछू भी होइ हमरे कस्टन मँ तू पचे मोरे कामे मँ हाथ बटाई क अच्छा ही किये अहा।

15हे फिलिप्पियन! तू पचे तउ जनतइ अहा, सुसमाचार क प्रचार क ओन्हन सुरु क दिनवा मँ जब मई मैसीडोनिया छोड़े रहेउँ, तउ लेन-देन क बारे मँ केवल मात्र तोहर कलीसिया क छोड़िके कउनउ अउर कलीसिया तउ मोर

हाथ नहीं बटाएस। 16मई जब थिस्सलुनीके मँ रहेउँ, मोर जरूरत पूरा करइ बरे तू बार-बार मोका सहायता भेजे रहया। 17अइसेन नहीं कि मई उपहारन क इच्छुक हउँ बल्कि मई तउ इ चाहत हउँ कि तोहरे खाता मँ लाभ जुड़त ही चला जाइ। 18तू पचे इपफ्रुदीतुस क हाथे जउन उपहार मधुर गंध भेट क रूप मँ मोरे लगे भेजे रहया, उ सबइ एक अइसेन स्वीकार करइ योग्य बलिदान अहई जेहसे परमेस्सर खुस होत ह। ओन्हन उपहारन क कारण मोरे लगे मोरे जरूरत स कहुँ ज्यादा होइ गवा बा, मोका पूरी तरह दिहा गवा बा। बल्कि ओहसे भी जियादा भरपूरा दिहा गवा बा। उ चीजन मधुर गंध भेटे क रूप मँ बाटिन, एक अइसेन स्वीकार करइ योग्य बलिदान जेहसे परमेस्सर खुस होत ह।

19मोरे परमेस्सर भी ईसू क महिमा स बहोत धनवान अहइ। उ अपने उस धने क अनुसार तोहार सभन जरूरतन क पूरा करी। 20हमरे परमेस्सर अउर परमपिता क हमेसा-हमेसा महिमा होत रहइ! आमीन!

21मसीह ईसू क सभन सन्तन क नमस्कार। मोरे साथे जउन भाई अहई, तू पचन क नमस्कार करत हीं। 22तू सभन संत अउर खासकर कैसर परिवारे क लोगन नमस्कार करत हीं।

23तोहमँ स हर एक्क पर हमरे पभू ईसू मसीह क अनुग्रह तू पचन क आत्मा क साथ रही।